भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **3201** जिसका उत्तर
शुक्रवार, 13 दिसंबर, 2024/22 अग्रहायण, 1946 (शक) को दिया जाना है

पत्तन अवसंरचना का आधुनिकीकरण

† 3201. श्री नवीन जिंदल :

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्तमान में भारतीय पत्तनों में प्रवेश कर सकने वाले अधिकतम आकार के जहाजों का ब्यौरा वैश्विक औसत के मुकाबले क्या है;

(ख) क्या सरकार ने बड़े जहाजों के लिए बर्थिंग की सुविधा प्रदान करने के लिए पत्तन अवसंरचना को मजबूत और आधुनिक बनाने के लिए कोई कदम उठाया है/उठाने का विचार है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) से (ग): भारतीय महापत्तनों में अधिकतम 18.4 मीटर के ड्राफ्ट में प्रवेश करने वाला पोत प्रवेश कर चुका है, जिसकी तुलना वैश्विक पत्तनों से की जा सकती है। महापत्तनों का अवसंरचना विकास और क्षमता वृद्धि एक सतत प्रक्रिया है। इसमें नई बर्थों और टर्मिनलों का निर्माण, मौजूदा बर्थों और टर्मिनलों का यंत्रीकरण, नई जेनरेशन के बड़े जलयानों की हैंडलिंग के लिए ड्राफ्ट को गहरा करने के लिए कैपिटल ड्रेजिंग शामिल हैं। महाराष्ट्र में 23.2 मिलियन टीईयू प्रतिवर्ष की कंटेनर हैंडलिंग क्षमता वाले नए वधावन पत्तन के विकास के साथ तमिलनाडु में वी.ओ. चिदंबरनार पत्तन पर 4 मिलियन टीईयू प्रतिवर्ष की कंटेनर हैंडलिंग क्षमता वाली आउटर हार्बर परियोजना और गुजरात में दीनदयाल पत्तन पर टूना टेकरा में 2.19 मिलियन टीईयू प्रति वर्ष की कंटेनर हैंडलिंग क्षमता वाली कंटेनर टर्मिनल विकास परियोजना से, देश नई जेनरेशन के मेगा आकार के जलयानों को हैंडल कर सकेगा।

*****